*This question paper contains 2 printed pages.* *Your Roll No. .....*

*Sl. No. of Ques. Paper* : **5648** **E**

*Unique Paper Code* : **213453**

*Name of Paper* : **Paper 4B : Indian Theatre and Dramaturgy**

*Name of Course* : **B.A. (Prog.) Sanskrit Discipline (*ii*)**

*Semester* : **IV**

*Duration* : 3 hours *Maximum Marks* : 75

*(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)*

*(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)*

NOTE:— *Answers may be written either in Sanskrit or in Hindi or in English; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— *अन्यथा आवश्यक न होने पर, प्रश्नपत्र के उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए। लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिये।*

***All questions are compulsory.***

***सभी प्रश्न करने अनिवार्य है।***

1. नाट्यमण्डप के स्वरूप को समझाते हुए उसके विकृष्ट नाट्यमण्डप का परिचय दें। 7
Give a short introduction of Nāṭyamaṇḍapa and present the feature of Vikṛṣṭa Nāṭyamaṇḍapa.

**अथवा/or**

नाट्यमण्डप के रचना विधान पर प्रकाश डालिए।
Describe the construction principle of theatre hall.

2. निम्नलिखित में किन्हीं दो पर लघु टिप्पणी कीजिए। 5×2=10
Write short notes on any **two** of the following :
अ. विकृष्ट ब. त्रयस्र स. रंगपीठ द. नेपथ्य
a. Vikṛṣṭa b. Trayasra c. Raṅgpītha d. Nepathya

3. नाट्यरस का स्वरूप समझाते हुए विभाव, अनुभाव पर प्रकाश डालिए। 7
Describe Vibhava, Anubhava while discussing the Nature of Nāṭyarasa.

**अथवा/or**

सात्त्विकभाव का स्वरूप एवं प्रकार स्पष्ट करें।
Describe the Sāttvikabhāva and its types.

4. सात्त्विक एवं आहार्य अभिनय का विवेचन करें। 5
Define both ideal acting and acting related to garments (Sāttvikābhinaya and Āhāryābhinaya)

**अथवा/or**

अभिनय का स्वरूप बताते हुए वाचिक अभिनय को स्पष्ट करें।

Describe the features of acting (Abhinaya), Explain the acting related with speech (Vācikābhinaya)

5. निम्नलिखित में किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी करें। 5×2=10

Write short note on any **two** of the following.

अ. आकाशभाषित ब. फलागम स. आधिकारिक कथावस्तु द. प्रकरी

a. Ākāśbhāṣita b. Phalāgama c. Ādhikārika Kathāvastu d. Prakarī

6. नृत्य को परिभाषित करते हुए उसके प्रकारों को समझाइए। 4

Define the word Nṛtya and discuss its types.

**अथवा/or**

नृत्य और नृत्त के स्वरूप को समझाइऐ।

Discuss the features of Nṛtya and Nṛtta.

7. नाट्यशास्त्र में संगीत की महत्ता को समझाइऐ। 8

Discuss the importance of music as depicted in Nātyaśāstra.

अथवा/or

ध्रुवागान को स्पष्ट करते हुए संगीत के मूल तत्त्वों पर प्रकाश डालिए।

Describe the basic component of music while discussing Dhruvāgāna.

8. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर लघु निबन्ध लिखें। 4

Write short note on any **one** of the following.

अ. सुषिरवाद्य ब. गान्धर्व संगीत स. गायकों की आसन व्यवस्था द. अवनद्ध

a Sound and rhythm b. Gāndharva music c. Sitting arrangements of singer's d. Avanadha.

9. वैदिक काल में रंगमंच के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए। 7

Discuss the origin and development of theatre during Vedic period.

**अथवा/or**

नाट्यपरम्परा में मंदिर रंगशाला पर लघु निबन्ध लिखें।

Write short note on temple theatre of theatrical tradition.

10. संस्कृत नाटकों के इतिहास में मुद्राराक्षस नाटक का महत्त्व निरूपित करें। 5

Discuss the importance of drama 'Mudrarakshas' in the history of Sanskrit drama.

**अथवा/or**

श्री हर्ष के नाटकों पर **एक** लघु निबन्ध लिखें।

Write **one** short note on Sri Harsa's drama.

11. निम्नलिखित में से **दो** पर लघु निबन्ध लिखें। 4×2=8

Write the short note on any **two** of following.

अ. अव्यावसायिक प्रान्तीय रंगमंच ब. संस्कृत रंगमंच स. हिन्दी रंगमंच द. लोकरंगमंच

a. Non Vocational regional theatre b. Sanskrit theatre c. Hindi theatre d. Folk theatre.